Total No. of Printed Pages : 3 Roll No.....

DPJ-103
विवाह मेलापक एवं गोचर विचार

फलित ज्योतिष में डिप्लोमा (डी.पी.जे.-16/17)

प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2020

Time Allowed : 2 Hours Maximum Marks : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है। जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल कीजिए।

खण्ड-'क'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. भारतीय विवाह के स्वरूप का उल्लेख करते हुए उसकी आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

2. वर्ण, वश्य, तारा एवं योनि विचार का वर्णन कीजिए।

3. 'त्रिज्येष्ठ विचार' से क्या तात्पर्य है? सोदाहरण लिखिए।

4. मांगलिक विचार चन्द्र, शुक्र एवं लग्न से क्यों किया जाता हैं।

5. गोचर पर निबन्ध लिखिए।

खण्ड-'ख'

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड-'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. विवाह के विभिन्न योगों का उल्लेख कीजिए।

2. ग्रहमैत्री का उल्लेख करते हुए उसकी आवश्यकता का वर्णन कीजिए।

3. नक्षत्र एवं राशि का सम्बन्ध क्या है?

4. नवपंचम, षडाष्टक एवं द्विर्द्वादश योग का सोदाहरण लेखन कीजिए।

5. विवाह भंग योग का प्रतिपादन कीजिए।

6. सप्तम, दशम एवं एकादश भावों से विचारणीय तथ्यों का उल्लेख कीजिए।

7. शनि की ढैय्या एवं साढ़ेसाती से आप क्या समझते हैं?

8. अष्टोत्तरी दशा का उल्लेख करते हुए सामान्य जीवन पर उसके पड़ने वाले प्रभावों का वर्णन कीजिए।

****